

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 319]

नई विल्ली, बुधवार, जुलाई 20, 1977/झावाद 29, 1899

No. 319]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 20, 1977/ASADHA 29, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के लप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th July 1977

S.O. 573(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952) and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. 21/33/77-T [S O. 375(E)] dated the 30th May, 1977 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 30th May, 1977, the Central Government hereby appoints, with effect from the 20th July, 1977 Shri Justice Alak Chandra Gupta, Judge, Supreme Court of India, in place of Shri Justice D.S' Mathur (resigned), to constitute the Commission of Inquiry to inquire into the matter specified in the said notification.

[No VI/11021/4/77-Comsec] MAHESHWAR PRASAD, Addl Secy.

गृह मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिन्ली, 20 जुलाई, 1977

का० आ० 573(आ).—जांच श्रायोग श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए श्रीर 30 मई, 1977 के भारत के श्रसाधारण राजपत्न के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार, गृह मंद्रालय की तारीख 30 मई, 1977 की श्रिधिसूचना स० 21/33/77 टी० [का श्रा० 375(ई)] में श्राशिक मंशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधसूचना मे निर्दिष्ट मामलो की जांच के लिये जांच श्रायोग के रूप मे न्यायमूर्ति श्री डी० एस० माथुर (जिन्होंने त्यागपत्न दे दिया है) के स्थान पर, एतद्द्वारा, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायम्र्ति श्रलक चन्द्र गुप्त को 20 जुलाई, 1977 से नियुक्त करती है।

[सं० 6/11021/4/77-कोमसेक] महेश्वर प्रसाद, श्रपर समित्र।